

# डॉ.पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला



संयुक्त कृषि संशोधन व विकास समितीद्वारे केलेल्या पिकनिहाय  
संशोधन शिफारसी/तंत्रज्ञान (२००९ ते २०१८)

| पिकाचे नांव : <b>लिंबू</b>          |                  |  |                   |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
|-------------------------------------|------------------|--|-------------------|------------------|--------------------|-------------------|------------------------------------|-----|----|----|-----------|-----|----|----|---------|----|----|----|----------|----|----|----|------------|----|----|----|
| लागवडी विषयी तंत्रज्ञान व शिफारसी : |                  |  |                   |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
| वर्ष                                | अं.क्र.          | शिफारस   |                   |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
| २०११                                | १                | कागदी लिंबू पिकाच्या हस्त बहाराचे अधिक उत्पादन व आर्थिक फायदा मिळण्याकरिता, जिब्रेलीक ॲसिड (५० पी.पी.एम.) या संजिवकाची जून महिन्यामध्ये, सायकोसील (१००० पी.पी.एम.) या संजिवकाची सप्टेंबर महिन्यामध्ये तसेच पोटॅशियम नायट्रेट (१ टक्का) द्रावणाची ऑक्टोबर महिन्यात फवारणी करण्याची शिफारस करण्यात येते.   |                   |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
| खत व्यवस्थापनाबद्दल शिफारसी         |                  |  |                   |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
| वर्ष                                | अं.क्र.          | शिफारस   |                   |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
| २०१५                                | १                | पश्चिम व मध्य विदर्भात कागदी लिंबाचे हस्तबहारात अधिक व दर्जेदार उत्पादन तसेच पाण्याची व खताची बचत होण्यासाठी बाष्पोपणोत्सर्जनाच्या ९० टक्के पाणी व शिफारसीत खत मात्रेच्या ८० टक्के (४८०:२४०:२४० ग्रॅम नत्र:स्फुरद:पालाश/झाड) खते टिबक सिंचन पध्दतीद्वारे पुढील वेळापत्रकाप्रमाणे देण्याची शिफारस करण्यात येते.   |                   |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
|                                     |                  | <table border="1"> <thead> <tr> <th>माहे</th> <th>नत्र (ग्रॅम/झाड)</th> <th>स्फुरद (ग्रॅम/झाड)</th> <th>पालाश (ग्रॅम/झाड)</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>ऑक्टोबर (पाण्याचा ताण तोडल्यानंतर)</td> <td>१२०</td> <td>६०</td> <td>४८</td> </tr> <tr> <td>नोव्हेंबर</td> <td>१२०</td> <td>६०</td> <td>४८</td> </tr> <tr> <td>डिसेंबर</td> <td>९६</td> <td>४८</td> <td>४८</td> </tr> <tr> <td>जानेवारी</td> <td>९६</td> <td>४८</td> <td>४८</td> </tr> <tr> <td>फेब्रुवारी</td> <td>४८</td> <td>२४</td> <td>४८</td> </tr> </tbody> </table> | माहे              | नत्र (ग्रॅम/झाड) | स्फुरद (ग्रॅम/झाड) | पालाश (ग्रॅम/झाड) | ऑक्टोबर (पाण्याचा ताण तोडल्यानंतर) | १२० | ६० | ४८ | नोव्हेंबर | १२० | ६० | ४८ | डिसेंबर | ९६ | ४८ | ४८ | जानेवारी | ९६ | ४८ | ४८ | फेब्रुवारी | ४८ | २४ | ४८ |
| माहे                                | नत्र (ग्रॅम/झाड) | स्फुरद (ग्रॅम/झाड)   | पालाश (ग्रॅम/झाड) |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
| ऑक्टोबर (पाण्याचा ताण तोडल्यानंतर)  | १२०              | ६०   | ४८                |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
| नोव्हेंबर                           | १२०              | ६०   | ४८                |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
| डिसेंबर                             | ९६               | ४८   | ४८                |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
| जानेवारी                            | ९६               | ४८   | ४८                |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
| फेब्रुवारी                          | ४८               | २४   | ४८                |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
| पाणी व्यवस्थापनाबद्दल शिफारसी :     |                  |  |                   |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
| वर्ष                                | अं.क्र.          | शिफारस   |                   |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
| २०१५                                | १                | पश्चिम व मध्य विदर्भात कागदी लिंबाच्या अधिक व दर्जेदार उत्पादन तसेच पाण्याच्या बचतीसाठी टिबक सिंचन पध्दतीद्वारे दररोज बाष्पोपणोत्सर्जनाच्या ८० टक्के पाणी देण्याची शिफारस करण्यात येते.  |                   |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
| किड व रोग व्यवस्थापनाबद्दल शिफारसी  |                  |  |                   |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
| वर्ष                                | अं.क्र.          | शिफारस   |                   |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |
| २०१४                                | १                | लिंबुवर्गीय खै-या रोगाच्या प्रादुर्भावाच्या शक्यतेचे पुर्वानुमान करण्याकरिता खालील पाक्षीक सुत्राची शिफारस करण्यात येते. या सुत्राद्वारे मिळणारी ऋणात्मक संख्या रोगाची अनुपस्थिती आणि घनात्मक संख्या रोग येण्याची शक्यता दर्शविते.<br>$Y = 836.83 + (3.282 \times 10^{-4}) - (5.583 \times 10^{-2}) - 0.982 \times 10^{-3} + (2.526 \times 10^{-8}) - (9.266 \times 10^{-4}) - (3.057 \times 10^{-6}) - (7.595 \times 10^{-9}) - (2.770 \times 10^{-7})$   |                   |                  |                    |                   |                                    |     |    |    |           |     |    |    |         |    |    |    |          |    |    |    |            |    |    |    |



|  |                |   |
|--|----------------|---|
|  |                | <p>य = खै-या रोगाची टक्केवारी<br/> <math>\text{क्ष}_1</math> = अधिकतम तापमान<br/> <math>\text{क्ष}_2</math> = न्युनतम तापमान<br/> <math>\text{क्ष}_3</math> = सकाळची सापेक्ष आर्द्रता<br/> <math>\text{क्ष}_4</math> = सायंकाळची सापेक्ष आर्द्रता<br/> <math>\text{क्ष}_5</math> = सरासरी हवेचा वेग<br/> <math>\text{क्ष}_6</math> = सरासरी पाऊस<br/> <math>\text{क्ष}_7</math> = सरासरी प्रखर सुर्यप्रकाशाचे तास<br/> <math>\text{क्ष}_8</math> = सरासरी बाष्पीभवन</p> |
| <b>काढणी पश्चात व्यवस्थापनाबद्दल शिफारसी</b> |                |   |
| <b>वर्ष</b>                                  | <b>अं.क्र.</b> | <b>शिफारस</b>   |
| २०१२   | १              | कागदी लिंबापासून तयार केलेले पिकेव्ही पेय साधारण वातावरणात ७५ दिवसापर्यंत उपयुक्त असल्याची शिफारस करण्यात येत आहे.  |
| <b>पीक व्यवस्थापनाबद्दल इतर शिफारसी</b>      |                |   |
| <b>वर्ष</b>                                  | <b>अं.क्र.</b> | <b>शिफारस</b>   |
|  | १              | -   |